Haryana Civil Service (Judicial)

Examination 1999

Hindi (Devnagri Script) Question Papers

Time : 3 Hours | Max. Marks : 100

1. किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :-

   (क) भारत की स्वतन्त्रता के 50 वर्ष - उपलब्धियाँ और असफलताएँ

   (ख) पर्यावरण प्रदूषण - समस्या एवं समाधान

   (ग) विश्व शांति और भारत

   (घ) वर्तमान शिक्षा प्रणाली

   (ड.) होनकर विरवान के होत चीकने पात

   (च) राष्ट्रभाषा हिन्दी

2. किन्ही पाँच शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :-

   (i) अनुराग

   (ii) प्रत्यक्ष

   (iii) विद्याल

   (iv) चेतन

   (v) पराधीन

   (vi) विधि

Scanned by CamScanner

(vii) प्रवृति (viii) यश

3. किन्ही पाँच वाक्यांशो के लिए समानार्थक एक-एक शब्द लिखिए :-

(i) शीघ्र समाप्त हो जाने वाला (ii) जिस का कोई अर्थ न हो

(iii) तेज गति से चलने वाला (iv) जो किए गए उपकार को न माने

(v) बहुत अधिक बरसात होना (vi) जिसका आकार न हो

(vii) जो मीठी वाणी बोलता हो (viii) उत्तम आचरण वाला व्यक्ति

4. निम्नलिखित में से किन्ही पाँच के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :-

(i) आँख का तारा (ii) पत्थर की लकीर

(iii) ईद का चाँद (iv) टेढ़ी खीर

(v) चिराग तले अँधेरा (vi) सौ सुनार की एक लुहार की

(vii) ऊँची दुकान फीका पकवान (viii) हाथ कंगन को आरसी क्या

5. किन्ही पाँच वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :-

(क) प्रकृति की सौंदर्यता देखकर कौन मुग्ध नहीं होगा ?

(ख) मैंने तुम्हारा हस्ताक्षर पहचान लिया है ।

(ग) दोनो छात्रों में मुकेश श्रेष्ठतम है ।

(घ) सत्याग्राही बड़ी-बड़ी यातनाओं को सहते है ।

(ड.) कृपया यह पुस्तक मेरे को दीजिए ।

(च) यह द्रश्य बहुत मनोमय है ।

(छ) घर में केवल मात्र एक चारपाई है ।

(ज) महादेवी वर्मा हिन्दी की प्रसिद्ध कवि हैं ।

6. नीचे दिए पद्यांश की सरल हिन्दी में व्याख्या कीजिए :-

(क) नीलाम्बर परिधान हरित पट पर सुन्दर है,
सूर्य-चन्द्र युग-मुकुट मेखला रत्नाकर है ।
नदियाँ प्रेम-प्रवाह, फूल तारे मण्डल हैं,
बन्दीजन खगवृन्द, शेष फन सिंहासन है ।
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की,
हक मातृभूमि ! तू सत्य ही सगुण मूर्ति सर्वेश की ।

अथवा

Scanned by CamScanner

यह मनुज,

जिसका गगन में जा रहा है यान,

काँपते जिसके करों को देखकर परमाणु ।

खोलकर अपना हृदय गिरि, सिन्धु, भू, आकाश,

हैं सुना जिसको चुके निज गुह्यतम इतिहास ।

खुल गये परदे, रहा अब कहाँ यहाँ अज्ञेय ?

किन्तु, नर को चाहिए नित विध्न कुछ दुर्जेय ?

सोचने को और करने को नया संघर्ष,

नव्य जय को क्षेत्र वाने को नया उत्कर्ष ।

(ख) मनुष्य के लिए कविता इतनी प्रयोजनीय वस्तु है कि संसार की सभ्य-असभ्य सभी जातियां में, किसी रूप में, पाई जाती है । चाहे इतिहास न हो, विज्ञान न हो, दर्शन न हो, पर कविता का प्रचर अवश्य रहेगा । बात यह है कि मनुष्य अपने ही व्यापारों का ऐसा सघन और जटिल मंडल बाँटता चला आ रहा है, जिसके भीतर बँधा-बँधा वह शेष सृष्टि के साथ अपने हृदय का सम्बन्ध भूला सा रहता है । इस परिस्थिति में मनुष्य को अपनी मनुष्यता खोने का डर बराबर रहता है । इसी से अन्तः प्रकति में मनुष्यता को समय-समय पर जगाते रहने के लिए कविता मनुष्य जाति के साथ चली आ रही है और चली चलेगी ।

अथवा

हमारा देश अपने प्राकृतिक वैभव में जितना समृद्ध है, अपनी आंतरिक विभूतियों में उससे कम गुरु नहीं । उसकी मूलगत समानता लक्ष्यगत एकता, इन दोनों को जोड़नेवाली प्रदेशगत विविधता की तुलना के लिए ऐसी नदी को खोजना होगा जो एक हिमालय से निकलकर, एक समूद्र में मिलने से पहले अनेक धाराओं में बिखर-बँटकर प्रवाहित होती है । जैसे विभिन्न दूर-पास के अंगो से रक्त का एक हृदय मे आना और एक से पुनः अनेक में लौट जाना ही शरीर की संचालक शक्ति है, इसी प्रकार भारतीय संस्कृति बार-बार एक केन्द्र बिन्दु को छूकर दूर प्रसर की क्षमता पाती रही है ।

7. नीचे दिए गए अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :-

The Population of India which is about 900 million at present, will increase to 1000 million by the end of this century. As a result of the growth of population not only will there be need for more food but there will also be crowding in cities and shortage of accommodation. Dirt and smoke would pollute the atmosphere and unemployment would increase. Therefore, it has become necessary to think of the methods of controlling the growth of population. Increasing the production of food and controlling the rate of birth seem to be the only answer to the problem of "population explosion".

Scanned by CamScanner